SHAH TIMES

19-01-2007

मानवाधिकार उल्लंघन ज्वलंत समस्या

सेमीनार में अधिवक्ताओं ने किया गहन चिंतन

मुजफ्फरनगर (शाटा ब्यूरो)। जिला बार संघ के हांडाहाल में जबर सिंह राणा वरिष्ठ उपाध्यक्ष जिला बार संघ की अध्यक्षता में 'मानवाधिकार एवं अंतर्राष्ट्रीय दण्ड न्यायालय' विषय पर सेमीनार सम्पन्न हुआ, जिसका संचालन महासचिव जिला बार संघ सुरेन्द्र कुमार मलिक एडवोकेट ने किया।

मुख्य अतिथि के रूप में उच्चतम न्यायालय की अधिवक्ता सुश्री वृंदा ग्रोवर ने विषय की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए बताया कि मानवाधिकार उल्लंघन का विषय एक ज्वलंत समस्या है। चाहे हाशिमपुरा कांड हो या आाम में हिन्दी भाषियों का नरसंहार या गुजरात के दंगे हो, सभी में मानवाधिकारों का उल्लंघन हो रहा है। ऐसे नरसंहारों में प्रशासनिक अधिकारियों की मानसिकता उत्तरदायी होती है और न्याय नहीं मिल पाता है, जिसका ज्वलंत उदाहरण हाशिमपुरा कांड है। ऐसे नरसंहारों के लिए अपराधियों की पहचान हो पाना बड़ा कठिन काम है, इसलिए ऐसे में कानून में बदलाव की सख्त आवश्यकता है।

इस अवसर पर अन्य वक्ताओं में प्रो. हरपाल सिंह, चंद्रमणि शर्मा एडवोकेट, पीसी त्यागी एडवोकेट उपाध्यक्ष जिला बार संघ, मुनीश कुमार शर्मा, नीरज शर्मा आदि शामिल रहे। सेमीनार में दीन दयाल कॉलेज ऑफ लॉ के विधि छात्र काफी संख्या में उपस्थित रहे। उक्त कार्यक्रम का आयोजन एवं परिचय डा. सिद्धार्थ शर्मा एडवोकेट द्वारा किया गया। युवा अधिवक्ताओं की ओर से गोपाल शर्मा एडवोकेट ने सभी का धन्यवाद दिया।

उक्त गोष्ठी में सिविल बार अध्यक्ष त्रिलोक सिंह मुंजाल, अशोक त्यागी, भारतवीर सिंह, राजेश्वर दत्त त्यागी, श्रीमती सीमा शर्मा, पूर्व सचिव कृष्ण पाल त्यागी, रमेश्सा चंद, रविन्द्र सिंह मलिक, प्रवीण सैनी, सुनील वत्स, आशीष शर्मा, ठा. मेहर सिंह, प्रशांत सक्सेना, शलभ कौशिक टैक्स अधिवक्ता, वरिष्ठ अधिवक्ता सुरेखा मेहरा, योगेन्द्र शर्मा, ब्रजराज स्वरूप, हरनाथ सैनी तथा अधिवक्ता परिषद के गौरव कुमार एडवोकेट, योगेन्द्र कुमार, ठा. अशोक कुशवाह आदि अन्य गणमान्य अधिवक्तागण मौजूद रहे।